भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 3046
उत्तर दिनांक 19/03/2026 को दिया गया

परमाणु क्षमता विस्तार की तुलना में एलसीओई

3046. श्री जी.सी. चन्द्रशेखर

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार ने सौर, पवन और तापीय ऊर्जा की तुलना में परमाणु ऊर्जा की समतुल्य विद्युत लागत (एलसीओई) का विश्लेषण किया है, जिसमें पूंजीगत लागत, ईंधन चक्र और अपशिष्ट प्रबंधन घटक शामिल हैं; और

(ख) इन लागत तुलनाओं का भविष्य में परमाणु क्षमता विस्तार संबंधी निर्णयों पर क्या प्रभाव होगा?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) इस तरह की तुलना उपयुक्त नहीं होगी क्योंकि सभी प्रौद्योगिकियों की प्रचालन आयु में काफी अंतर है। सौर और पवन इकाइयों की आयु लगभग 25 वर्ष या उससे अधिक है और तापीय इकाई की आयु लगभग 30-40 वर्ष है, जबकि नाभिकीय विद्युत संयंत्र की आयु लगभग 60 वर्ष है। इस प्रकार एलसीओई की किसी भी प्रकार की तुलना उपयुक्त नहीं माना जाता।

इसलिए, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की प्रशुल्क दर एलसीओई पद्धति के आधार पर निर्धारित नहीं की जाती है, बल्कि लागत सह दृष्टिकोण आधारित बहुवर्षीय प्रशुल्क ढांचे के सिद्धांत के आधार पर निर्धारित की जाती है।

इसके अलावा**,** नाभिकीय विद्युत संयंत्र की खरीद प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया से नहीं की जाती है, इसे विद्युत मंत्रालय द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार संबंधित क्षेत्र के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के आवंटन की प्रक्रिया माध्यम से किया जाता है।

*****